NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT - IInd.
CLASS:- 4th SESSION : 2022
SUBJECT : HINDI Pg no 1

पाठ - 4.
साहसी झलकारी

शब्द ज्ञान
तुच्छ - छोटा , वांछित - जरूरत , प्रयास - कोशिश ।
क्रोध - गुस्सा , उपस्थित - मौजूद , सम्पन्न - पूरा काम ।
कायर - डरपोक , आरंभ - शुरुआत , प्रभुत्व - राज ;
ऐलान - घोषणा , आक्रमण - हमला , आसक्ति - मोह ,
विद्रोह - युद्ध , दुर्व्यवहार - बुरा व्यवहार, अत्याधिक -
ज्यादा , संगठन - इकट्ठा करके , अवांछनीय - आवश्यकता
न हो, ज़ोहर - स्वयं को ही मार देना ।

मौखिक
1. विद्रोह कहाँ और क्यों फैला था ?
उ० : विद्रोह झाँसी में फैला था क्योंकि देशवासी अपने प्रति अंग्रेजों के दुर्व्यवहार से अत्याधिक परेशान थे ।
2. झाँसी में किसका राज्य था ?
उ० : झाँसी में गंगाधर राव का राज्य था ।
3. विद्रोह कहाँ से आरंभ हुआ था ?
उ० : विद्रोह आगरा और अवध से आरंभ हुआ था ।

लिखित

क, गंगाधर राव की मृत्यु कैसे हुई और उनके बाद झाँसी की बागडोर किसने संभाली ?

उ॰ : गंगाधर राव की मृत्यु स्वतंत्रता के विरुद्ध लड़ते-लड़ते हुई और उनके बाद झाँसी की बागडोर उनकी पत्नी रानी लक्ष्मीबाई ने संभाली।

ख, झाँसी की रानी ने जौहर का निश्चय क्यों किया था ?

उ॰ : लक्ष्मीबाई अंग्रेज़ों की भारी सेना का मुकाबला करने में असमर्थ महसूस करने लगी तो उन्होंने जौहर करने का निश्चय किया।

ग, महामंत्री ने लक्ष्मीबाई से क्या कहा ?

उ॰ : महामंत्री ने लक्ष्मीबाई से यह कहा, "यदि मरना ही है तो वीरों की मौत मरना चाहिए।"

घ, लक्ष्मीबाई से मिलने कौन आया था और उसने अंग्रेज़ों के पास जाकर क्या किया ?

उ॰ : लक्ष्मीबाई से मिलने झलकारी नाम की कोली स्त्री आई थी॥ जब जनरल रोज़ ने झलकारी को गोली मारने का आदेश दिया तो उसने जोर से कहा, "मार दो हत्यारो, मानवता के शत्रुओ। मेरा कार्य संपन्न हुआ। महारानी लक्ष्मीबाई तुम्हारे चंगुल से निकल कर दूर जा चुकी है।"

पाठ - 5 : चील वाले बाबा Pg no 3

शब्द ज्ञान

सहम - डरना , तन्मय - डूबना , अपराध - गलतियाँ , चकित - हैरान , क्षमा - माफी , उपहार - भेंट , सन्न - घबरा जाना , निरर्थक - बिना अर्थ के , लोप - गुम / गायब होना ; तपस्या - ईश्वर का ध्यान करना , देहावसान - मृत्यु ध्यानमग्न - सदैव ईश्वर के ध्यान में लीन रहना , प्रभावित - कार्य साधन रीति से ।

मौखिक

1. बाबा को क्या कहकर पुकारते थे ?

उ० : बाबा को चील वाला कहकर पुकारते थे ।

2. बाबा का आश्रम कहाँ था ?

उ० : बाबा का आश्रम शहर से दूर रेगिस्तानी इलाके में था ।

लिखित

क, ज़मीदार बाबा के लिए क्या भेंट लाया था ?

उ० : ज़मीदार बाबा के लिए सिक्कों से भरी थैली भेंट में लाया था ।

ख, बाबा ने चोरों को क्यों रोका था ?

उ० : बाबा ने चोरों को इसलिए रोका था क्योंकि वह उनकी सिक्कों से भरी थैली ले जाना चाहते थे ।

ग, चोरों ने बाबा के साथ क्या किया ?

उ० : चोर डर और सहम गए । हाथ में आई लक्ष्मी

को कैसे छोड़ते। घबराहट में चोरों ने बाबा पर लाठियाँ बरसानी शुरू कर दी। [illegible] बाबा राम-राम कहते हुए धरती पर गिर पड़े। कुछ देर बाद उनकी मृत्यु हो गई।

घ, भीड़ में बैठे चोरो के साथ क्या हुआ?

उ०: भीड़ में दोनों हत्यारे चोर शामिल हो गए। सब लोग कीर्तन में मग्न थे। अचानाक आकाश में बहुत सी चीलें आकर मँडराने लगी। देखते ही देखते दो चीलें उतरी और दोनों हत्यारों के सिर पर पंजे मारने लगी। पंजे मार-मारकर चीलो ने हत्यारे चोर को लहूलुहान कर दिया। वे ज़मीन पर गिरकर तड़पने लगे।

ङ, चोरों ने अपने अपराध को क्यों स्वीकार किया?

उ०: चोरों ने अपने अपराध को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि लोग चोरों को बचाने के लिए दौड़े पर चीलों ने किसी को पास नहीं आने दिया। हत्यारों की चीखें गूँज रही थीं, बाबा हमारे अपराध क्षमा करना। हमें अपने पापों की सज़ा मिल रही है।

1. नीचे दिए गए शब्दों में 'और' जोड़कर नए शब्द बनाएँ:

क, जप-और तप
ख, रुपए और पैसे
ग, ध्यान-और मग्न
घ, देखना और सुनना
ङ, भजन और कीर्तन

Pg no 5

२. वाक्य बनाएं :

क, क्षमा : मुझे क्षमा कर दो ।

ख, उपहार : जमींदार बाबा के लिए भेंट में रुपए लाया।

ग, लोप : चीलें आकाश में लोप हो गई।

घ, चकित : लोग चकित होकर देखते ही रह गए।

ङ, तन्मय : भीड कीर्तन में तन्मय थी ।

च, सन्न : जिसने सुना वह सुनकर सन्न रह गया।

३. मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करें :

क, लोप होना - गायब होना : चीलें आकाश में गायब हो गई।

ख, चकित होना : हैरान होना : सब लोग हैरान होकर देख रहे थे ।

Scanned with CamScanner

Pg no 6

पाठ - 6 बुरे फँसे

शब्द - ज्ञान

एकाएक - अचानक , संघर्ष - लगातार कोशिश ,
शुक्रिया - धन्यवाद

मौखिक

1. जॉनी का पैर कहाँ फँस गया था ?

उ० : जॉनी का पैर रेल की पटरी के पास बनी बाड़ (फेंस) में फँस गया था ।

2. जॉनी ने भगवान से क्या प्रार्थना की ?

उ० : जॉनी ने भगवान से यह प्रार्थना की कि मैं सारे बुरे काम छोड़ दूँगा । मेरा पैर इस बाड़ से बाहर निकालने में मेरी मदद करो ।

लिखित :

क, जॉनी ने भगवान से दूसरी बार प्रार्थना में क्या कहा ?

उ० : जॉनी ने भगवान से दूसरी बार प्रार्थना में यह कहा, "हे भगवान ! मेरा पैर बाहर निकाल दो । मैं अपनी गंदी भाषा (गालियाँ देना) बोलना और बुरे काम छोड़ दूगा ।" फिर भी कुछ नहीं हुआ । पैर वहीं अटका हुआ था बल्कि और भी अधिक फँस गया था ।

ख, जॉनी ने भगवान से तीसरी बार प्रार्थना में क्या कहा ?

Scanned with CamScanner

उ०। जॉनी ने भगवान से तीसरी बार प्रार्थना में यह कहा, "हे भगवान! मेरा पैर बंधन से छुड़ा दो। मैं सारे बुरे काम छोड़ दूँगा, गालियों और बुरी भाषा का इस्तेमाल बंद कर दूँगा और मैंने जो कल क्रिश के पैसे चुराए थे उसे वापिस कर दूँगा और उससे माफ़ी माँग लूँगा।"

ग, अंत में पैर छूटने पर उसने क्या कहा?

उ०। अंत में पैर छूटने पर उसने, आकाश की ओर देखते हुए और हाथ उठाकर ईश्वर का शुक्रिया अदा किया और मन ही मन कहा ईश्वर की कृपा व अपनी कोशिश के बल से आज जान बच गई।

1. 'और' जोड़कर शब्द लिखें:

सोच और समझकर, मौज और मस्ती

2. पर्यायवाची शब्द:

क, धन्यवाद - शुक्रिया, मेहरबानी
ख, प्रार्थना - विनती, विनय
ग, प्राण - जिंदगी, जीवन
ड,) कोशिश - प्रयत्न, प्रयास
च, आकाश - नभ, गगन

Pg no 8

(हिन्दी व्याकरण)

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

सत्य और अहिंसा के पोषक गाँधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 ई० को गुजरात में पोरबंदर नामक नगर में हुआ था। उनके पिता श्री करमचंद गाँधी वैष्णव भक्त और राजकोट रियासत के दीवान थे। वर्ष की अल्पावस्था में कस्तूरबा गाँधी के साथ विवाह हो गया था। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन्हें बैरिस्ट्री पढ़ने के लिए इंग्लैंड भेज दिया गया। गाँधीजी बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे और सन् 1893 में एक मुकदमे की पैरवी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए।

स्वदेश लौटने पर इन्होंने अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने का निश्चय कर लिया और देशवासियों को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। इनके सत्य और अहिंसा के शस्त्र के आगे अंग्रेजों को झुकना पड़ा और 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हो गया। 30 जनवरी 1948 को प्रार्थना सभा में जाते हुए ~~इन्हें~~ नाथूराम गोडसे की गोली का शिकार हो गए। राष्ट्रपिता गाँधी जी की समाधि राजघाट पर बनी हुई है।

Pg. no 9

स्वास्थाधिकारी को क्षेत्र की स्वच्छता हेतु आवेदन पत्र लिखें।

प्रतिष्ठा में
स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,
करन नगर, श्रीनगर.
दिनांक- 2021

मान्यवर,

इस पत्र के माध्यम से मैं आप का ध्यान राजबाग की सड़क और उसके आसपास पड़े कूड़े-कचरे के ढेर की ओर ध्यान दिलाना चाहती हूँ।

इस क्षेत्र में कई सप्ताह से स्वच्छता की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया है। फलतः कूड़े-कचरे के ढेर पर मक्खी-मच्छर जमा हो गए हैं। दुर्गंध के कारण परेशानी बढ़ती जा रही है।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र में नियुक्त सफाई कर्मचारियों और स्वास्थ्य निरीक्षकों को आदेश देकर क्षेत्र को साफ कराएँ।

सधन्यवाद,
भवदीय - क, ख, ग
राजबाग; श्रीनगर
दिनांक- 2021

Scanned with CamScanner

Pg no 10.

विलोम शब्द

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आकाश	पाताल	प्राचीन	अर्वाचीन
उन्नीत	अवनीत	मित्र	शत्रु
उचित	अनुचित	गुरु	शिष्य
कठोर	कोमल	पुरातन	नूतन
इष्ट	अनिष्ट	सेवक	स्वामी
गहरा	उथला	सधवा	विधवा
दयालु	निर्दयी	सदाचार	दुराचार
आकर्षण	विकर्षण		

पर्यायवाची शब्द

उपवन	बाग, उपवन, उद्यान, वाटिका।
कमल	पंकज, राजीव, जलज, सरोज।
किरण	अंशु, मयूख, रश्मि, मरीचि।
गृह	घर, निकेतन, भवन, सदन।
घोड़ा	अश्व, तुरंग, घोटक, वाजि।
देह	शरीर, तन, काया, बदन।
नयन	नेत्र, चक्षु, आँख, लोचन।
नदी	सरिता, तटिनी, सरि, तरंगिणी।

Scanned with CamScanner

लिंग बदलो

चेला	चेली
ब्राह्मण	ब्राह्मणी
हिरन	हिरनी
गुड्डा	गुड्डी
चूहा	चुहिया

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
जिसमें धैर्य न हो	अधीर
जिसके माता पिता न हो	अनाथ
जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
जो बीत चुका हो	अतीत
जिसका अंत न हो	अनंत
जहाँ पहुँचा न जा सके	अगम्य
जिसका कोई शत्रु न पैदा हुआ हो	अजातशत्रु

प्र01 संज्ञा किसे कहते है ?

उ0 जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम या भाव का बोध कराते हैं, वे 'संज्ञा' कहलाते हैं। जैसे: भारत, गंगा, बुढ़ापा, तोता आदि।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं:

व्यक्तिवाचक संज्ञा ।

जातिवाचक संज्ञा ।

भाववाचक संज्ञा ।

प्र० लिंग किसे कहते है ?

उ० शब्द के जिस रूप से किसी पदार्थ के पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का पता चले, वह 'लिंग' कहलाता है।

लिंग के दो भेद होते हैं।

पुल्लिंग, स्त्रीलिंग

मुहावरे

अंगार उगलना	खरी खोटी सुनाना ।
अकल के पीछे लाठी लिए फिरना	बेवकूफी करना ।
अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना	जानबूझ कर जोखिम में पड़ना।
आँख जलना	ईर्ष्या करना ।
आटा गीला होना	मुसीबत में आँखे जलना ।
ईंट का जवाब पत्थर से देना	कड़ा उत्तर देना ।
ओखली में सिर देना	मुसीबत मोल लेना ।
कान पर जूँ तक न रेंगना।	ध्यान न देना ।
घाव पर नमक छिड़कना	दुःख पर दुःख देना ।
चलता पुर्ज़ा होना	चालाक होना ।

Pg no 13

छठी का दूध याद आना	परेशान होना ।
छाती पर मूँग दलना	बहुत कष्ट देना ।
खरी खोटी सुनाना	भला बुरा कहना ।
चादर से बाहर पैर फैलाना	ताकत से ज़्यादा खर्च करना ।
जंगल में मंगल होना	सुनसान जगह में चहल पहल होना ।

Scanned with CamScanner